भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2254
19 दिसम्बर, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: जैविक/प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों से लाभान्वित किसान

2254. श्री मल्लिकार्जुन खरगेः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले पाँच वर्षों के दौरान जैविक खेती प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों द्वारा दिए गए ऑर्डरों की वर्ष-वार संख्या कितनी है;

(ख) उक्त प्लेटफॉर्म पर किए गए लेन-देन का वर्ष-वार कुल मूल्य कितना है;

(ग) जैविक खेती प्लेटफॉर्म की स्थापना से लेकर अब तक इससे लाभान्वित होने वाले किसानों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(घ) 2020 के बजट भाषण में किए गए वादे के अनुसार पोर्टल को सुदृढ़ करने, उन्नत करने या पुनः शुरू करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) पिछले पांच वर्षों के दौरान जैविक खेती से संबंधित योजनाओं के तहत आवंटित, स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई कुल धनराशि का योजना-वार, राज्य / संघ राज्य क्षेत्र-वार वितरण का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (घ): जैविक खेती पोर्टल किसानों को जानकारी प्रदान करने और जैविक उत्पादों की मार्केटिंग को सुगम बनाने के लिए एक मंच के रूप में विकसित किया गया है। पोर्टल ने वर्ष 2018 में लॉन्च होने के बाद से 180 आर्डर सर्विस किए हैं तथा इसमें लेनदेन का मूल्य 5.52 लाख रुपये था। जैविक खेती पोर्टल लॉन्च होने के बाद से पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की संख्या 6.23 लाख है। जैविक उत्पादों की मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए, सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के माध्यम से पीजीएस-इंडिया जैविक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिससे किसानों को जैविक उत्पादों का प्रीमियम मूल्य प्राप्त करने में सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के अंतर्गत राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) निर्यात बाजार के लिए जैविक उत्पादों हेतु तृतीय-पक्ष प्रमाणन को बढ़ावा देता है।

केंद्रीय क्षेत्र की योजना "10,000 किसान उत्पादक संगठनों का गठन एवं प्रोत्साहन" के तहत, अतिरिक्त 185 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का पंजीकरण किया गया है। इनमें से 76 एफपीओ, ई-कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पर पंजीकृत हैं।

(ड.): पूर्वोत्तर राज्यों के अतिरिक्त, सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए जैविक मूल्य श्रंखला विकास मिशन (एमओवीसीडीएनईआर) के माध्यम से वर्ष 2015-16 से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। पीकेवीवाई और एमओवीसीडीएनईआर योजना के तहत, वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक राज्य-वार आवंटन, रिलीज और व्यय का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

अनुबंध-I

पीकेवीवाई के अंतर्गत राज्य-वार आवंटित, जारी और व्यय की गई धनराशि

(रुपये लाख में)

वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	आवंटन	जारी की गई राशि	व्यय
आंध्र प्रदेश	17460.65	13774.83	11780.68
बिहार	9083.25	3605.31	2979.29
छत्तीसगढ़	15203.79	8003.61	7581.46
गुजरात	1372.21	488.10	378.10
गोवा	2703.40	500.00	142.00
हरियाणा	1209.75	5.05	0.00
झारखंड	6076.63	2398.86	2189.86
कर्नाटक	6849.42	5275.65	1077.90
केरल	7656.82	4373.30	4023.71
मध्य प्रदेश	23074.51	2111.04	764.00
महाराष्ट्र	7408.27	4663.37	3460.25
ओडिशा	5426.03	3671.71	3612.24
पंजाब	3349.06	2082.29	224.00
राजस्थान	19074.63	7781.58	7431.42
तमिलनाडु	4440.28	3623.98	3502.46
तेलंगाना	2369.70	227.15	0.00
उत्तर प्रदेश	33792.45	21268.05	17881.05
पश्चिम बंगाल	4052.19	3393.14	2546.19
हिमाचल प्रदेश	3932.50	2036.97	2034.24
उत्तराखंड	27525.50	21079.27	20085.22
सभी पूर्वोत्तर क्षेत्र	1052.87	781.37	7.57
सभी केंद्र शासित प्रदेश	6828.49	1268.10	1035.90
कुल	209942.42	112412.67	92737.50

एमओवीसीडीएनईआर के अंतर्गत राज्य-वार आवंटित, जारी और व्यय की गई धनराशि

(लाख रुपये में)

वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक

राज्य का नाम	आवंटन	जारी की गई राशि	व्यय
अरुणाचल प्रदेश	16667.79	11506.95	11502.04
असम	16242.56	7275.06	6143.61
मणिपुर	22344.23	20031.96	18062.26
मेघालय	12035.31	6237.06	4792.06
नागालैंड	14176.09	10907.79	10907.79
मिजोरम	11599.01	7918.2	6906.2
सिक्किम	13502.57	8512.11	7808.81
त्रिपुरा	16602.69	9879.31	9303.49
कुल	123170.25	82268.45	75426.27

*****